माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान (BSER) के पाठ्यक्रम के अनुसार **'पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया'** के विस्तृत नोट्स यहाँ दिए गए हैं। यह विषय बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पत्रकारीय लेखन (Journalistic Writing)

परिभाषा: पाठकों, दर्शकों या श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का प्रयोग करना 'पत्रकारीय लेखन' कहलाता है। इसका मुख्य उद्देश्य सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना होता है।

1. समाचार लेखन (News Writing)

समाचार लेखन पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप है। समाचार 'उल्टा पिरामिड' (Inverted Pyramid) शैली में लिखे जाते हैं।

- **उल्टा पिरामिड शैली:** इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले दिए जाते हैं, और उसके बाद घटते महत्व के क्रम में अन्य जानकारियाँ दी जाती हैं।
- **छह ककार (6 Ks):** किसी भी समाचार को पूर्ण करने के लिए छह सवालों के जवाब देना आवश्यक है:
    1. **क्या** (What)
    2. **कौन** (Who)
    3. **कहाँ** (Where)
    4. **कब** (When)
    5. **क्यों** (Why)
    6. **कैसे** (How)

SOLANKI SIR

2. फीचर लेखन (Feature Writing)

फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है। इसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने के साथ-साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है।

- **विशेषता:** फीचर में समाचारों की तरह 'उल्टा पिरामिड' शैली का प्रयोग नहीं होता। इसकी शैली कथात्मक (Narrative) हो सकती है।
- **लेखन प्रक्रिया:** फीचर की कोई निश्चित सीमा नहीं होती, लेकिन यह रोचक और फोटो/रेखाचित्रों से सुसज्जित होना चाहिए।

---

3. विशेष रिपोर्ट (Special Report)

जब किसी घटना या समस्या की गहरी छानबीन की जाती है, तो उसे 'विशेष रिपोर्ट' कहते हैं। इसके मुख्य प्रकार हैं:

- **खोजी रिपोर्ट (Investigative Report):** इसमें पत्रकार उन तथ्यों को सामने लाता है जो पहले छिपे हुए थे।
- **इन-डेप्थ रिपोर्ट:** उपलब्ध तथ्यों की गहरी छानबीन और विश्लेषण।
- **विश्लेषणात्मक रिपोर्ट:** घटना के कारणों और परिणामों का विस्तार से विश्लेषण।

---

4. संपादकीय लेखन (Editorial Writing)

संपादकीय को समाचार-पत्र की **'आवाज़'** माना जाता है। यह किसी समसामयिक घटना पर समाचार-पत्र की अपनी राय होती है।

- **विशेषता:** संपादकीय में किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं होता (इसे संपादक मंडल लिखता है)।

SOLANKI SIR

5. स्तंभ लेखन (Column Writing)

यह लेखन का एक विशिष्ट रूप है। कुछ महत्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान के लिए जाने जाते हैं। उन्हें एक निश्चित स्थान दिया जाता है, जिसे 'स्तंभ' कहा जाता है।

---

6. पत्रकारीय लेखन की प्रक्रिया (Writing Process)

पत्रकारीय लेखन के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना अनिवार्य है:

- **तथ्यात्मकता:** जो कुछ लिखा जाए, वह सत्य और तथ्यों पर आधारित हो।
- **वस्तुपरकता:** लेखक को अपने व्यक्तिगत विचारों के बजाय निष्पक्ष होकर लिखना चाहिए।
- **स्रोतों का उल्लेख:** जानकारी कहाँ से मिली, इसका उल्लेख विश्वसनीयता बढ़ाता है।
- **भाषा:** भाषा सरल, सहज और आम जनता के समझ में आने वाली होनी चाहिए।

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न:

1. **समाचार लेखन के 'छह ककार' कौन-कौन से हैं?**
    - *उत्तर:* क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे।
2. **फीचर और समाचार में मुख्य अंतर क्या है?**
    - *उत्तर:* समाचार वस्तुनिष्ठ और सूचनात्मक होता है (उल्टा पिरामिड शैली), जबकि फीचर सृजनात्मक और मनोरंजक होता है (कथात्मक शैली)।
3. **उल्टा पिरामिड शैली से क्या तात्पर्य है?**
    - *उत्तर:* वह लेखन शैली जिसमें सबसे महत्वपूर्ण सूचना सबसे पहले और कम महत्वपूर्ण सूचना अंत में दी जाती है।

SOLANKI SIR